



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 783]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 9, 2016/कार्तिक 18, 1938

No. 783]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 9, 2016/KARTIKA 18, 1938

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2016

सं. 46/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 1055(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 ग की उपधारा (1) और धारा 94 की उपधारा (2) के उपवाक्य (जजज) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, प्लेस ऑफ प्रोविजन ऑफ सर्विसेज रूल्स, 2012 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती है, यथा : —

(1) इन नियमों को प्लेस ऑफ प्रोविजन ऑफ सर्विसेज (संशोधन) रूल्स, 2016 कहा जाएगा।

(2) ये 1 दिसम्बर, 2016 से लागू होंगे।

(2) प्लेस ऑफ प्रोविजन ऑफ सर्विसेज रूल्स, 2012 में, -

- (i) नियम 2, उपवाक्य (1) में निम्नलिखित उपवाक्य को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-
'(1) "ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस तक पहुंच या रिट्रीवल सर्विसेज" का वही अर्थ होगा जो कि इसके लिए सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 2 के उप-नियम 1 के उपवाक्य (गगघ) में दिया गया है;'
- (ii) नियम 3 में, परंतुक में 'यदि' शब्द के पश्चात "ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस तक पहुंच अथवा रिट्रीवल सेवाएं, जहां" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे;
- (iii) नियम 9 में, उपवाक्य (ख) को विलोपित किया जाएगा।

[फा. सं. 354/149/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट : प्रधान नियमावली को अधिसूचना सं. 28/2012-सेवा कर, दिनांक 20 जून, 2012, सा.का.नि. 470(अ), दिनांक 20 जून, 2012, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था और इसमें अधिसूचना सं. 14/2014-सेवा कर, दिनांक 11 जुलाई, 2014, सा.का.नि. 483 (अ), दिनांक 11 जुलाई, 2014, के द्वारा अंतिम बार संशोधन किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2016

No. 46/2016-Service Tax

G.S.R. 1055(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 66C and clause (hhh) of sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Place of Provision of Services Rules, 2012, namely :—

1. (1) These rules may be called the Place of Provision of Services (Amendment) Rules, 2016.
(2) They shall come into force on the 1st day of December, 2016.
2. In the Place of Provision of Services Rules, 2012,—
 - (i) in rule 2, for clause (l), following clause shall be substituted, namely:—
‘(l) “online information and database access or retrieval services” has the same meaning as assigned to it in clause (ccd) of sub-rule 1 of rule 2 of the Service Tax Rules, 1994;’;
 - (ii) in rule 3, in the proviso, after the words “in case”, the words “of services other than online information and database access or retrieval services, where” shall be inserted;
 - (iii) in rule 9, clause (b) shall be omitted.

[F. No. 354/149/2016-TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification No. 28/2012 - Service Tax, dated the 20th June, 2012 *vide* number G.S.R. 470(E), dated the 20th June, 2012 and last amended by notification No.14/2014 - Service Tax, dated the 11th July, 2014 *vide* number G.S.R. 483(E), dated the 11th July, 2014.

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 2016

सं. 47/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 1056(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 की उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना सार्वजनिक हित में आवश्यक है, एतद्वारा, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 25/2012- सेवा कर, दिनांक 20 जून, 2012, जिसे सा.का.नि. 467 (अ), दिनांक 20 जून, 2012 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था, में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, यथा :-

उक्त अधिसूचना में,—

- (क) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, प्रविष्टि 34 में, उपवाक्य (ग) के पश्चात निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा,—

“बशर्ते कि यह छूट ऐसे किसी ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस तक की पहुंच या रिट्रीवल सर्विस जो कि उपवाक्य (क) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा प्राप्त की गई हो, पर लागू नहीं होगी।”

(ख) पैराग्राफ 2 में, उपवाक्य (भकक) के पश्चात निम्नलिखित उपवाक्य को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा :-

(भकख) “ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस तक पहुंच या रिट्रीवल सर्विसेज” का अर्थ वही होगा जो इसके लिए सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 2 के उपनियम 1 के उपवाक्य (गगघ) में दिया गया है;

2. यह अधिसूचना 01 दिसम्बर, 2016 से लागू होगी।

[फा. सं. 354/149/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट :- प्रधान अधिसूचना को अधिसूचना सं. 25/2012-सेवा कर, दिनांक 20 जून, 2012, सा.का.नि. 467(अ), दिनांक 20 जून, 2012, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था और इसमें अधिसूचना सं. 40/2016-सेवा कर, दिनांक 06 सितम्बर, 2016, सा.का.नि. 857(अ), दिनांक 06 सितम्बर, 2016, के द्वारा अंतिम बार संशोधन किया गया है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2016

No. 47/2016-Service Tax

G.S.R. 1056(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.25/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 467(E), dated the 20th June, 2012, namely:-

In the said notification,-

(a) in the opening paragraph, in entry 34, after clause (c), the following proviso shall be inserted, namely,-

“Provided that the exemption shall not apply to online information and database access or retrieval services received by persons specified in clause (a) ;”;

(b) in paragraph 2, after clause (xaa), the following clause shall be inserted, namely: -

‘(xab) “online information and database access or retrieval services” has the same meaning as assigned to it in clause (ccd) of sub-rule 1 of rule 2 of the Service Tax Rules, 1994;’.

2. This notification shall come into force on the 1st day of December, 2016.

[F. No. 354/149/2016 -TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification No. 25/2012 - Service Tax, dated the 20th June, 2012, *vide* number G.S.R. 467(E), dated the 20th June, 2012 and last amended *vide* notification number 40/2016 - Service Tax, dated the 6th September, 2016 *vide* number G.S.R. 857(E), dated the 6th September, 2016.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2016

सं. 48/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 1057(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उप-धारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा सेवा कर नियमावली, 1994 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, यथा :-

1. (1) इन नियमों को सेवा कर (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2016 कहा जाएगा।

(2) ये 01 दिसम्बर, 2016 से लागू होंगे।

2. सेवा कर नियमावली, 1994 में,-

(i) नियम (2) में, उप-नियम (1) में,

(क) उपवाक्य (गगख), के पश्चात निम्नलिखित उपवाक्य को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा:-

“(गगखक) “गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता” से अभिप्राय सरकार किसी स्थानीय प्राधिकरण किसी सरकारी प्राधिकरण या किसी ऐसे व्यक्ति से है जो वाणिज्य, उद्योग या अन्य किसी व्यापार या व्यवसाय से भिन्न उद्देश्य के लिए ऑनलाइन सूचना, डाटाबेस या रिट्रीबल सर्विस प्राप्तकर्ता हो और कर वाले भू-क्षेत्रों में अवस्थित हों;

स्पष्टीकरण :- इस उपवाक्य के उद्देश्य के लिए “सरकारी प्राधिकरण” से अभिप्राय किसी प्राधिकरण या बोर्ड या अन्य किसी निकाय से है-

(i) जिसका गठन संसद के अधिनियम के द्वारा या किसी राज्य विधान मंडल के अधिनियम के द्वारा की गई हो; या

(ii) जिसकी स्थापना सरकार द्वारा की गई हो जिसमें इक्विटी या नियंत्रण की दृष्टि से इसकी 90 या इससे अधिक की भागीदारी हो और जिसका उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 243 (ब) के अंतर्गत किसी नगर निगम को दिए गए निर्देश को पूरा करना है;

(ख) उपवाक्य (गगग) के पश्चात निम्नलिखित उपवाक्य को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा:-

“(गगघ) “ऑनलाइन सूचना या डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज” से अभिप्राय ऐसी सेवाओं से है जिनकी डिलीवरी इंटरनेट या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क से सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से की जाती है और इनकी प्रकृति के कारण इनकी आपूर्ति अनिवार्यतः स्व-चालित होती है और इनमें मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम होता है और सूचना प्रौद्योगिकी के न होने पर इनका होना असंभव हो जाता है और जिनमें इलेक्ट्रॉनिक सेवाएं आती हैं जैसे कि, -

(i) इंटरनेट के माध्यम से विज्ञापन;

(ii) क्लाउड सर्विसेज प्रदान करना;

- (iii) दूर संचार नेटवर्क या इंटरनेट के माध्यम से ई-बुक, मूवी, संगीत, साफ्टवेयर और अन्य अमूर्त सुविधाओं का प्रावधान;
- (iv) किसी व्यक्ति को कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में डाटा या सूचना, रिट्रीबल या अन्य प्रकार से, उपलब्ध कराना;
- (v) डिजिटल विषयवस्तु के ऑनलाइन आपूर्ति (मूवी, टेलीविजन, प्रदर्शनी, संगीत आदि) ;
- (vi) डिजिटल डाटा स्टोरेज, और
- (vii) ऑनलाइन खेल;"

(ग) उपवाक्य (घ) में,

(i) उप-उपवाक्य (i) में,-

(क) मद (छ) में, "कर वाली सेवाओं" शब्दों के पश्चात "ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज से भिन्न" शब्द जोड़े जाएंगे;

(ख) मद (छ) के पश्चात, निम्नलिखित मद को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा:- "(ज) ऐसी सेवाओं के संबंध में जो कि ऐसे किसी व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज के माध्यम से प्रदान की गई हो या प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई हो जो कि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहता हो और जिसे ऐसे व्यक्ति द्वारा प्राप्त की गई हो जो कि कर वाले क्षेत्र में रहता हो और वह गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता, ऐसी सेवा के प्राप्तकर्ता से भिन्न हो।"

(ii) उप-उपवाक्य (ii) के पश्चात निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा-

"बशर्ते कि यदि ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज को ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रदान किया गया है या किए जाने के लिए सहमति दी गई है, जो कि किसी गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहता है और ऐसी सेवा को गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त किया गया है, तो गैर-कर वाले क्षेत्र में रहने वाला सेवा प्रदाता ही वह व्यक्ति होगा जो कि सेवा कर के भुगतान के लिए दायी होगा :

बशर्ते और भी कि यदि ऑनलाइन सूचना या डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सेवा ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रदान की जाती है या जिसे प्रदान किये जाने के लिए सहमति दी गई जो कि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहता है और जिसे गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता द्वारा प्रदान किया गया है तो ऐसी सेवाओं के मामले में यदि कोई मध्यस्थ, जो कि गैर कर वाले भू-क्षेत्र में रहता हो, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म, ब्राकर कोई एजेंट या ऐसे व्यक्ति भी आते हैं जिनको किसी भी नाम से जाना जाता हो, जो ऐसी सेवाओं के लिए व्यवस्था करते हैं या सुविधा प्रदान करते हैं, लेकिन मुख्य सेवा अपनी ओर से नहीं प्रदान करते, आते हैं, तो ऐसे गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहने वाले मध्यस्थों के बारे यह माना जाएगा कि उसने गैर-कर वाले भू-क्षेत्र के सेवा प्रदाता से ऐसी सेवा प्राप्त करता है और गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता को यह सेवा प्रदान कर रहा है, केवल उस स्थिति को छोड़कर जिसमें कि ऐसे मध्यवर्ती निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :

(क) इनवाइस या ग्राहक के बिल या रसीद जो कि ऐसे मध्यवर्ती द्वारा जारी की गई हो या दी गई हो जो कि आपूर्ति में भाग ले रहा हो, में प्रश्नगत सेवा की पहचान, इसका आपूर्तिकर्ता और कर वाले भू-क्षेत्र के आपूर्तिकर्ता का सेवा कर पंजीकरण सं. दर्शायी गई हो;

(ख) आपूर्ति में शामिल मध्यवर्ती ग्राहक को प्राधिकृत नहीं करता है और न ही इसको प्रभार देने में भाग लेता है अर्थात् मध्यवर्ती किसी भी तरीके से न तो भुगतान को संकलित करता है और न तो इसकी प्रक्रिया में भाग लेता

है और न ही वह गैर-निर्धारित ऐसी सेवा के ऑनलाइन प्राप्तकर्ता और आपूर्तिकर्ता के बीच भुगतान के लिए जिम्मेदार है;

(ग) आपूर्ति में शामिल मध्यवर्ती डिलीवरी के लिए प्राधिकृत नहीं करता है;

(घ) आपूर्ति से संबंधित सामान्य शर्तों और दशाओं को आपूर्ति में भाग लेने वाले मध्यवर्ती द्वारा निर्धारित नहीं किया जात है, बल्कि इनका निर्धारण सेवा प्रदाता द्वारा होता है।

बशर्ते और भी कि यदि ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रदान की जाती है या प्रदान किए जाने की सहमति दी जाती है, जोकि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहता है और जिसे गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त किया जाता है, तो कर वाले भू-क्षेत्र में रहने वाला कोई व्यक्ति, जो कि कर वाले भू-क्षेत्र में किसी उद्देश्य के लिए ऐसे सेवा प्रदाता का प्रतिनिधित्व करता है, ही वह व्यक्ति होगा जो कि सेवा कर के भुगतान के लिए दायी होगा :

बशर्ते यह भी कि गैर-कर वाले भू क्षेत्रों में अवस्थित किसी व्यक्ति द्वारा प्रदान की गई या जिसके प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई हो ऐसी ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज जिसे कि गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त किया गया हो, के मामले में, यदि सेवा प्रदाता कर वाले भू-क्षेत्रों में न तो शारीरिक रूप से हो न तो भू-क्षेत्र में किसी उद्देश्य के लिए उसका कोई प्रतिनिधि ही हो, सेवा प्रदाता सेवा कर के भुगतान उद्देश्य से कर वाले भू-क्षेत्र में अपना कोई व्यक्ति नियुक्त कर सकता है और ऐसा व्यक्ति सेवा कर के भुगतान के लिए दायी होगा :

बशर्ते यह भी कि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में अवस्थित किसी व्यक्ति द्वारा प्रदान की गई या जिसके प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई ऐसी ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस और रिट्रीबल सेवाओं, जिनको कि कर वाले भू-क्षेत्र में अवस्थित किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त किया गया हो, के मामले में ऐसी सेवा को प्राप्त करने वाले व्यक्ति के बारे में यह माना जाएगा कि वह कर वाले भू-क्षेत्रों में रहता है। बशर्ते कि इसके लिए निम्न में से दो गैर-विरोधी शर्तें पूरी होती हों, यथा :-

- (क) सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति द्वारा इंटरनेट के माध्यम से दिया गया वर्तमान पता कर वाले भू-क्षेत्र में पड़ता है;
- (ख) क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड या स्टोर वैल्यू कार्ड या चार्ज कार्ड या स्मार्ट कार्ड या अन्य कोई ऐसा कार्ड जिससे कि सेवा प्राप्तकर्ता अपना भुगतान करता है कर वाले भू-क्षेत्रों में जारी किए गए हैं;
- (ग) सेवा प्राप्तकर्ता का बिलिंग एड्रेस कर वाले भू-क्षेत्रों में पड़ता हो;
- (घ) सेवा प्राप्तकर्ता द्वारा प्रयोग किए जाने वाले उपकरण का इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस कर वाले भू-क्षेत्रों में पड़ता हो;
- (ङ) सेवा प्राप्तकर्ता का बैंक जिसमें कि वह भुगतान के लिए अपना खाता रखता है कर वाले भू-क्षेत्र में पड़ता हो;
- (च) सेवा प्राप्तकर्ता द्वारा प्रयोग किए जाने वाले सब्सक्राइबर्स आइडेंटिटी मॉड्यूल (SIM) कार्ड का कंट्री कोड कर वाले भू-क्षेत्र में पड़ता हो;
- (छ) सेवा प्राप्तकर्ता का लैण्डलाइन फोन जिसके माध्यम से वह सेवा प्राप्त करता है कर वाले भू-क्षेत्रों में पड़ता हो।

बशर्ते यह भी कि गैर कर वाले भू-क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्ति के द्वारा प्रदान की गई अथवा जिसके प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई ऐसी ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सेवाओं, जो कि गैर-निर्धारित

प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त की गई हो के मामले में, ऐसा कोई व्यक्ति जो ऐसी सेवाएं प्राप्तकर्ता है के बारे में गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता माना जाएगा, यदि ऐसे व्यक्ति का इन नियमों के अंतर्गत कोई सेवाकर पंजीकरण नहीं है।

(iii) नियम 4 में, उप-नियम (1) में, तीसरे परंतुक के पश्चात निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा,
यथा :-

“बशर्ते यह भी कि ऐसा कोई व्यक्ति जो कि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहता हो और ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सर्विसेज के मामले में सेवा कर का भुगतान करने का दायी है तो वह जिस दिन धारा 66ख के अंतर्गत सेवा कर लगाया जाता है या वह कर वाले भू-क्षेत्र में कर वाली सेवाओं की आपूर्ति करता है, तो वह उस तारीख से 30 दिन के भीतर एसटी-1ए फार्म में पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकता है, इस नियम में निहित किसी भी विरोधी बात के बावजूद गैर-पैन आधारित पंजीकरण के मामले में यह माना जाएगा कि यह एसटी-2 फार्म में आवेदन के प्राप्त की तारीख को दे दिया गया है.”

(iii) नियम 4 क में, उप-नियम 1 में छठें परंतुक के पश्चात निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा :-

“बशर्ते यह भी कि गैर-कर वाले भू-क्षेत्र में रहने वाले किसी व्यक्ति द्वारा प्रदान की गई या जिसे प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई ऐसी ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीबल सेवाओं के मामले में कोई बीजक, बिल या जैसी भी स्थिति हो चालान में सभी दस्तावेज आएंगे, चाहे उन्हें जिस किसी भी नाम से जाना जाता हो या उन्हें क्रमबद्ध ढंग से न रखा गया हो, लेकिन उनमें कर सेवा कर प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम और पता दिया गया हो और साथ में ऐसी अन्य जानकारी दी गई हो जो कि के अंतर्गत जरूरी हों”;

(iv) नियम 7 में, उप-नियम (1) के पश्चात अक्षर और अंक “एसटी-3 ए”, के पश्चात अक्षर और अंक या “एसटी-3 सी” अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(v) फार्म एसटी-1 के पश्चात निम्नलिखित फार्म को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा,-

“फार्म एसटी- 1A

[वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 69 के अंतर्गत गैर- कर वाले भू-क्षेत्र में रहने वाले तथा भारत में ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस या रिट्रीवल सर्विसेज को प्रदान करने वाले व्यक्ति के लिए पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र]

(कृपया नीचे दिए गए संबंधित खानों में टिक करें)

□ नया पंजीकरण

वर्तमान पंजीकृत द्वारा की गई घोषणा में संशोधन

पंजीकरण सं., यदि वर्तमान पंजीकृत संशोधन करना चाहता है तो.....

1. (क) आवेदक का नाम

[illegible]

[illegible][illegible][illegible][illegible]

शहर/कस्बा

पिन कोड

--	--	--	--	--	--

 पंजीकृत वास्तविक पता

--

[illegible][illegible][illegible]

डाक घर		देश का कोड	
---------------	--	-------------------	--

डाक/जिप कोड

--	--	--	--	--	--	--	--

 पंजीकरण डाक कोड

--

देश (पूरा नाम):

[illegible]

(ड.) आवेदक का वेबसाइट (यूआरएल) जिसके माध्यम से कर वाली सेवा प्रदान करता है :

(i)

(ii)

(f) आवेदक का ई-मेल पता :

[illegible]

2. आवेदक के इनकारपोरेशन के देश में पंजीकरण/ व्यापार पहचान संख्या/ अन्य कोई अद्वितीय पहचान संख्या का ब्यौरा

[illegible]

2A. आवेदक का नाम (उपर्युक्त पहचान संख्या में प्रकट होने वाला)

[illegible]

3. मालिक/भागीदार/निदेशक का नाम, पता और फोन नम्बर

(i) नाम

[illegible]

(ii) पत्ता

[illegible]

(iii) फोन नं.

[illegible]

(iv) ई-मेल का पता

[illegible]

4. पंजीकृत व्यक्तियों की श्रेणी

(i) सेवा कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति

(ii) ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल सर्विसेज को प्रदान करने वाला जिसका किसी वित्तीय वर्ष में कर वाले भू-क्षेत्र में प्रदान की गई ऐसी सेवाओं का सकल मूल्य 9 लाख रुपये से अधिक होता हो।

5. प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता/ हास्ताक्षरी का नाम, पदनाम, पता, फोन नं. और ई-मेल आईडी:

(i) नाम

[illegible]

(ii) पदनाम

[illegible]

(iii) पत्ता

[illegible]

(iii) फोन नं.

[illegible]

(iv) ई-मेल आईडी

[illegible]

6. कर योग्य क्षेत्र में प्राधिकृत एजेंट का नाम, पदनाम, पता, पैन, फोन नं. और ई-मेल आईडी (यदि कोई हो) :

(i) नाम

[illegible]

(ii) पदनाम

[illegible]

(iii) पत्ता

[illegible]

(iii) पैन्

[illegible]

(iv) फोन नं.

[illegible]

[illegible][illegible]

--	--	--	--	--	--	--

परिसर
(यदि
लागू
हो)

[illegible]

--	--	--	--	--	--	--

गली/
फार्म का
नाम[illegible]

[illegible][illegible]

पिन कोड

--	--	--	--	--	--

पंजीकृत वास्तविक पता

[illegible]

3. यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा किए गए परिवर्तन को शामिल करके जारी किया जाता है और पिछला पंजीकरण प्रमाणपत्र जिसकी पंजीकरण सं. _____ है और जिसे _____ को जारी किया गया है को निरस्त माना जाता है।

स्थान :

तारीख :

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी का नाम और पदनाम
सराकरी मुहर सहित

गग : (ई-मेल द्वारा) वेतन या लेखा अधिकारी को (आयुक्तालय का नाम)”

(vii) फार्म एसटी-3बी, के पश्चात निम्नलिखित फार्म को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा,-

“फार्म एसटी-3ग

ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल सर्विसेज, जो कि गैर-कर वाले क्षेत्र में रहने वाले किसी व्यक्ति के द्वारा प्रदान की गई हों या जिनके लिए प्रदान किए जाने के लिए सहमति दी गई हो और कर वाले भू-क्षेत्र में रहने वाले किसी व्यक्ति प्राप्त की गई हो, के बारे में वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 70, सेवा कर नियमावली के नियम 7 के साथ पठित, के अंतर्गत

रिटर्न

भाग क- सामान्य सूचना

आपूर्तिकर्ता का एसटीसी नम्बर	
निर्धारित का नात	
व्यापारी आवेदक का पता	

रिटर्न भरने के लिए भारत में प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम		
वित्तीय वर्ष		
कर अवधि (सही विकल्प पर टिक करें)	अप्रैल- सितम्बर	अक्टूबर- मार्च
कर योग्य सेवाओं का विवरण	ऑनलाइन इन्फार्मेशन और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल सर्विसेज	

भाग ख- कर वाली सेवाओं का मूल्य और भुगतान किए जाने हेतु सेवा कर

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
क्र.सं.	सेवा प्राप्तकर्ता का नाम	सेवा प्राप्तकर्ता का पता	मुद्रा जिसमें कर योग्य का मूल्य लिया गया है	कालम 4 में उल्लिखित मुद्रा में सेवा का मूल्य	क्या सेवा प्राप्तकर्ता गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता है	यदि कॉलम 6 में दिया गया उत्तर नहीं है तो भारत में सेवा प्राप्तकर्ता का सेवा कर पंजीकरण सं.	यदि कॉलम 6 में दिया गया उत्तर हां में है तो रुपये में भुगतान किया जाने वाला सेवा कर [14%]	यदि कॉलम 6 में दिया गया उत्तर हां में है तो रुपये में देय स्वच्छ भारत उपकर [0.5%] [कॉलम-4 * कॉलम-5 *0.5%]	यदि कॉलम 6 में दिया गया उत्तर हां में है तो रुपये में देय कृषि कल्याण उपकर [0.5%] [कॉलम-4 * कॉलम-5 *0.5%]
1.									
2.									
3.									
.									
.									

नोट : “गैर-निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तकर्ता” से अभिप्राय सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, किसी सरकारी प्राधिकरण या ऐसे व्यक्ति से है जो कि वाणिज्य, उद्योग से भिन्न अन्य किसी संबंध में या अन्य कोई व्यापार या व्यवसाय के संबंध में ऑनलाइन इन्फार्मेशन और डाटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल सर्विसेज प्राप्त करता है और कर वाले क्षेत्र में अवस्थित है।

भाग ग- भुगतान योग्य सेवा कर

क्र.सं.	कर	राशि, भारतीय रुपये में
C1	भुगतान योग्य सेवा कर	भाग-ख के अंतर्गत सारणी के कॉलम 8 में उल्लिखित कुल मूल्य
C2	भुगतान योग्य स्वच्छ भारत उपकर	भाग-ख के अंतर्गत सारणी के कॉलम 9 में उल्लिखित कुल मूल्य

C3	भुगतान योग्य कृषि कल्याण उपकर	भाग-ख के अंतर्गत सारणी के कॉलम 10 में उल्लिखित कुल मूल्य
-----------	-------------------------------	--

भाग घ- अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया सेवा कर

सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 6 के उप-नियम (1क) के अंतर्गत अग्रिम रूप से भुगतान किए गए सेवा कर की राशि :

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
D1	अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया किया गया सेवा कर		Σ

भाग ड.- अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया किया गया स्वच्छ भारत उपकर

सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 6 के उप-नियम (1क) के अंतर्गत अग्रिम रूप से भुगतान किए गए स्वच्छ भारत उपकर की राशि:

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
E1	अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया किया गया कुल स्वच्छ भारत उपकर		Σ

भाग च – अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया कृषि कल्याण उपकर

सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 6 के उप-नियम (1क) के अंतर्गत अग्रिम रूप से भुगतान किए गए कृषि कल्याण उपकर की राशि :

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
F1	अग्रिम तौर पर भुगतान किया गया किया गया कुल कृषि कल्याण उपकर		Σ

भाग छ – प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया सेवा कर

प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किए गए सेवा कर की राशि :

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
G1	प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया कुल सेवा कर		Σ

नोट : “प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन” से अभिप्राय समय के उस बिंदु से है जब सेवा कर के बारे में यह माना जाएगा कि इसे प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन रूल्य, 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित तरीके से भरा गया है।

भाग ज – प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया स्वच्छ भारत उपकर

प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किए गए स्वच्छ भारत उपकर की राशि:

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
H1	प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया कुल स्वच्छ भारत उपकर		Σ

भाग झ – प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया कृषि कल्याण उपकर

सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 6 के उप-नियम (1क) के अंतर्गत अग्रिम रूप से भुगतान किए गए कृषि कल्याण उपकर की राशि:

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	दिनांक	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
I1	प्वाइंट ऑफ टैक्सेशन के परिणामस्वरूप भुगतान किया गया कुल कृषि कल्याण उपकर		Σ

भाग ज – कर योग्य सेवाओं के संबंध में भुगतान किया गया कुल सेवा कर जो उस अवधि में भरा गया है जिसके लिए रिटर्न दायर है।

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
क्र.सं.	कर	अग्रिम	अप्रैल/ अक्तू.	मई/ नव.	जून/ दिस.	जु./ जन.	अग./ फरवरी	सित./ मार्च	अप्रैल-सित./ अक्तू.- मार्च में कुल	राशि भारतीय रूपये में
J1	भुगतान किया गया सेवा कर									D1 + G1
J2	भुगतान किया गया स्वच्छ भारत उपकर									E1 + H1
J3	भुगतान किया गया कृषि कल्याण उपकर									F1 + I1

भाग ट – बकाया, ब्याज, दण्ड और अन्य राशि आदि जिसका भुगतान किया गया

क्र. सं.	महीना	अप्रैल/ अक्तू.	मई/ नव.	जून/ दिस.	जु./ जन.	अग./ फरवरी	सित./ मार्च	कुल
K1	भुगतान किए गए सेवा कर की पिछली बकाया राशि							
K2	वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 73 क की शर्तों के अनुसार सेवा कर के रूप में संग्रहीत और भुगतान की गई धनराशि							
K3	ब्याज का भुगतान							
K4	दण्ड का भुगतान							
K5	विलम्ब शुल्क का भुगतान, यदि कोई हो							
K6	अन्य किसी राशि का भुगतान (कृपया स्पष्ट करें)							
K7	कुल भुगतान किए गए सेवा कर, बकाया, ब्याज, दण्ड और अन्य राशि आदि							

	K7 = (K1+K2+K3+K4+K5+K6)							
K8	स्वच्छ भारत उपकर के बकाया का भुगतान							
K9	वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 73क के अनुसार स्वच्छ भारत उपकर के रूप में वसूली गई और भुगतान की गई राशि							
K10	स्वच्छ भारत उपकर पर ब्याज का भुगतान							
K11	स्वच्छ भारत उपकर पर दण्ड का भुगतान							
K12	कुल भुगतान किए गए स्वच्छ भारत उपकर पर, बकाया, ब्याज, दण्ड और अन्य राशि आदि K12 = (K8+K9+K10+K11)							
K13	कृषि कल्याण उपकर की बकाया का भुगतान							
K14	वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 73क के अनुसार कृषि कल्याण उपकर के रूप में वसूली गई और भुगतान की गई राशि							
K15	कृषि कल्याण उपकर पर ब्याज का भुगतान							
K16	कृषि कल्याण उपकर पर दण्ड का भुगतान							
K17	कुल भुगतान किए गए कृषि कल्याण उपकर पर, बकाया, ब्याज, दण्ड और अन्य राशि आदि K17 = (K13+K14+K15+K16)							
K18	कुल बकाया राजस्व K18 = (K7 +K12+K17)							

भाग ठ – भाग ट से संबंधित भुगतान का चालान ब्यौरा

1.	2.	3.	4.
क्र.सं.	चालान सं.	तारीख	राशि
1.			
2.			
3.			
.			
.			
L1	कुल भुगतान राशि		Σ

भाग ड- स्व-आकलन ज्ञापन

(क) मैं/ हम घोषणा करता हूँ/ करती हूँ/ करते हैं कि उपर्युक्त ब्यौरे मेरे/ हमारे दस्तावेज और बहीखाते के अनुसार हैं और सही-सही दिए गए हैं।

(ख) मैंने/ हमने वित्त अधिनियम, 1994 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार सेवा कर का भुगतान कर दिया है।

(ग) मैंने/ हमने विनिर्दिष्ट समयावधि के भीतर शुल्क का भुगतान कर दिया है और विलम्ब की स्थिति में उस पर लगने वाले ब्याज का भी भुगतान कर दिया है।

(घ) मैंने विनिर्दिष्ट समयावधि में अपना रिटर्न भर दिया है और किसी प्रकार के विलम्ब की स्थिति में मैंने/ हमने सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 7 ग के अनुसार यथा विनिर्दिष्ट राशि का भुगतान कर दिया है।

(ङ) मैं सेवा प्रदाता की ओर से रिटर्न भरने के लिए एक प्राधिकृत व्यक्ति हूँ।

स्थान:

तारीख :

(निर्धारित या प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम और हस्ताक्षर)"

[फा. सं. 354/149/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट : प्रधान नियामवली को अधिसूचना सं. 2/94-सेवा कर, दिनांक 28 जून, 1994, सा.का.नि. 546 (अ), दिनांक 28 जून, 1994 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था और इसमें अंतिम बार अधिसूचना सं. 43/2016-सेवा कर, दिनांक 28 सितम्बर, 2016, सा.का.नि. 923 (अ), दिनांक 28 सितम्बर, 2016 के द्वारा संशोधन किया गया है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2016

No. 48/2016-Service Tax

G.S.R. 1057(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely:-

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Fourth Amendment) Rules, 2016.

(2) They shall come into force on the 1st day of December, 2016.

2. In the Service Tax Rules, 1994,-

(i) in rule 2, in sub-rule (1),-

(a) after clause (ccb), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ccba) “non-assesse online recipient” means Government, a local authority, a governmental authority or an individual receiving online information and database access or retrieval services in relation to any purpose other than commerce, industry or any other business or profession, located in taxable territory;

Explanation.- For the purposes of this clause, “governmental authority” means an authority or a board or any other body :

(i) set up by an Act of Parliament or a State legislature; or

(ii) established by Government,

with 90% or more participation by way of equity or control, to carry out any function entrusted to a municipality under article 243W of the Constitution;’;

(b) after clause (ccc), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ccd) “online information and database access or retrieval services” means services whose delivery is mediated by information technology over the internet or an electronic network and the nature of which renders their supply essentially automated and involving minimal human intervention, and impossible to ensure in the absence of information technology and includes electronic services such as,-

(viii) advertising on the internet;

(ix) providing cloud services;

(x) provision of e-books, movie, music, software and other intangibles via telecommunication networks or internet;

(xi) providing data or information, retrievable or otherwise, to any person, in electronic form through a computer network;

(xii) online supplies of digital content (movies, television shows, music, etc.);

(xiii) digital data storage; and

(xiv) online gaming;’;

(c) in clause (d),-

(i) in sub-clause (i),-

(a) in item (G), after the words “taxable service”, the words “other than online information and database access or retrieval services,” shall be inserted;

(b) after item (G), following item shall be inserted, namely:-

“(H) in relation to services provided or agreed to be provided by way of online information and database access or retrieval services, by any person located in a non-taxable territory and received by any person in the taxable territory other than non-assesse online recipient, recipient of such service;”;

(ii) in sub-clause (ii), the following provisos shall be inserted, namely:-

“Provided that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by non-assesse online recipient, provider of service located in a non-taxable territory shall be the person liable for paying service tax:

Provided further that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by non-assesse online recipient, an intermediary located in the non-taxable territory including an electronic platform, a broker, an agent or any other person, by whatever name called, who arranges or facilitates provision of such service but does not provides the main service on his account shall be deemed to be receiving such services from the service provider in non-taxable territory and providing such services to the non-assesse online recipient except when such intermediary satisfies all the following conditions, namely :-

- (a) the invoice or customer's bill or receipt issued or made available by such intermediary taking part in the supply clearly identifies the service in question, its supplier in non-taxable territory and the service tax registration number of the supplier in taxable territory;
- (b) the intermediary involved in the supply does not authorise the charge to the customer or take part in its charge i.e. intermediary neither collects or processes payment in any manner nor is responsible for the payment between the non-assesse online recipient and the supplier of such services;
- (c) the intermediary involved in the supply does not authorise delivery;
- (d) the general terms and conditions of the supply are not set by the intermediary involved in the supply but by the service provider:

Provided also that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by non-assesse online recipient, any person located in taxable territory representing such service provider for any purpose in the taxable territory shall be the person liable for paying service tax:

Provided also that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by non-assesse online recipient, if the service provider does not have a physical presence or does not have a representative for any purpose in the taxable territory, the service provider may appoint a person in the taxable territory for the purpose of paying service tax and such person shall be liable for paying service tax:

Provided also that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by any person located in the taxable territory, person receiving such services shall be deemed to be located in the taxable territory if any two of the following non-contradictory conditions are satisfied, namely :-

- (a) the location of address presented by the service recipient via internet is in taxable territory;
- (b) the credit card or debit card or store value card or charge card or smart card or any other card by which the service recipient settles payment has been issued in the taxable territory;
- (c) the service recipient's billing address is in the taxable territory;
- (d) the internet protocol address of the device used by the service recipient is in the taxable territory;
- (e) the service recipient's bank in which the account used for payment is maintained is in the taxable territory;
- (f) the country code of the subscriber identity module (SIM) card used by the service recipient is of taxable territory;
- (g) the location of the service recipient's fixed land line through which the service is received by the person, is in taxable territory:

Provided also that in case of online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by non-assesse online recipient, a person receiving such services shall be deemed to be a non-assesse online recipient, if such person does not have service tax registration under these rules.”;

- (ii) in rule 4, in sub rule (1), after third proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided also that a person located in non taxable territory liable for paying the service tax in the case of online information and database access or retrieval services may make an application for registration in form ST-1A for registration within a period of thirty days from the date on which the service tax under section 66B of the Act is levied or the person located in non taxable territory has commenced supply of taxable services in the

(d) Postal Address Detail
[Complete this address if Postal Address is a Postal Box]

Postal Agency or other Sub Unit (if applicable)																								
PO Box		Private Bag		Other PO Special Services											Number									
Post Office																				Country Code				
Postal/Zip Code										Registration Postal Code														
Country (Full Name):																								

(e) Applicant's Website's Uniform Resource Locators (URLs) through which taxable services are provided:

(i)

(ii)

(f) E-mail ID of the applicant:

[illegible]

2. Details of registration/business identification number/any unique identification number in the country of incorporation of the applicant

[illegible]

2A. Name of the applicant (as appearing in above identification number)

[illegible]

3. Name, Address and Phone Number of Proprietor/Partner/Director

(i) Name

[illegible]

(ii) Address

[illegible]

(iii) Phone Number

[illegible]

(iv) e-mail ID

[illegible]

4. Category of Registrant

1

(i) Person liable to pay service tax

☐

(ii) Online information and database access or retrieval services provider whose aggregate value of such services provided in taxable territory in a financial year exceeds nine lakh rupees.

5. Name, Designation, Address, Phone Number and email ID of the Authorised Signatory/Signatories:

(i) Name

[illegible]

(ii) Designation

[illegible]

(iii) Address

[illegible]

(iii) Phone Number

[illegible][illegible]

Pin Code					
----------	--	--	--	--	--

Registered Physical Address

[illegible]

6. This certificate is issued incorporating the changes intimated by the applicant and the previous certificate of registration bearing Registration Number _____ issued on _____ stand cancelled.

Place:

Date:

*Name and Designation of the Central Excise Official with
official seal*

CC : (by e-mail) to the Pay and Accounts Officer (Commissionerate Name)”;

(vii) after Form ST-3B, the following Form shall be inserted, namely,-

“FORM-ST-3C

Return under section 70 of the Finance Act, 1994, read with rule 7 of Service Tax Rules, 1994 with respect to online information and database access or retrieval services provided or agreed to be provided by any person located in a non-taxable territory and received by any person located in the taxable territory

Part A – General Information

Supplier's STC number		
Name of the assessee		
Address of business applicant		
Name of the Authorised Representative in India filing the return		
Financial year		
Tax period (Tick the correct option)	April-September	October-March
Description of Taxable Service	Online information and database access or retrieval services	

Part B – Value of taxable services and service tax payable

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
S.No.	Name of Service recipient (to the extent available)	Address of Service recipient (to the extent available)	Currency in which value of taxable service charged	Value of service in the currency mentioned in column 4	Is service recipient a non-assessee online recipient (Yes/No)	If reply in column 6 is no, service tax registration number of the service recipient in India	If reply in column 6 is yes, service tax payable [@ 14%] in rupees [col-4 * Col-5 *14%]	If reply in column 6 is yes, Swachh Bharat Cess payable [@0.5%] in rupees [col-4 * Col-5 *0.5%]	If reply in column 6 is yes, Krishi Kalyan Cess payable [@0.5%] in rupees [col-4 * Col-5 *0.5%]
1.									
2.									
3.									
.									
.									

Note: “non-assessee online recipient” means Government, a local authority, a governmental authority or an individual receiving online information and database access or retrieval services in relation to any purpose other than commerce, industry or any other business or profession, located in taxable territory.

Part C – Service Tax Payable

S.No	Tax	Amount in Indian Rupees
C1	Service Tax Payable	Total of values mentioned under Column 8 of table under Part-B
C2	Swachh Bharat Cess Payable	Total of values mentioned under Column 9 of table under Part-B
C3	Krishi Kalyan Cess Payable	Total of values mentioned under Column 10 of table under Part-B

Part D – Service tax Paid in Advance

Amount of Service tax paid in advance under sub-rule (1A) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
D1	Total Service tax paid in Advance		Σ

Part E – Swachh Bharat Cess Paid in Advance

Amount of Swachh Bharat Cess paid in advance under sub-rule (1A) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			

.			
.			
E1	Total Swachh Bharat Cess paid in Advance		Σ

Part F – Krishi Kalyan Cess Paid in Advance

Amount of Krishi Kalyan Cess paid in advance under sub-rule (1A) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994:

:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
F1	Total Krishi Kalyan Cess Paid in Advance		Σ

Part G – Service Tax paid consequent to the point of taxation

Amount of service tax paid consequent to the point of taxation:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
G1	Total service tax paid consequent to the point of taxation		Σ

Note: “point of taxation” means the point in time when a service shall be deemed to have been provided as determined under the provisions of Point Of Taxation Rules, 2011.

Part H – Swachh Bharat Cess Paid consequent to the point of taxation

Amount of Swachh Bharat Cess paid consequent to the point of taxation:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
H1	Total Swachh Bharat Cess paid consequent to the point of taxation		Σ

Part I – Krishi Kalyan Cess Paid consequent to the point of taxation

Amount of Krishi Kalyan Cess paid in advance under sub-rule (1A) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994:

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
I1	Total Krishi Kalyan Cess Paid consequent to the point of taxation		Σ

Part J – Total Tax Paid with respect to the taxable services provided in the period for which return is filed

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
S.No	Tax	Advance	Apr/ Oct	May/ Nov	Jun/ Dec	July/ Jan	Aug/ Feb	Sep/ Mar	Total in Apr- Sep/Oct-Mar	Amount in Indian Rupees
J1	Service Tax Paid									D1 + G1
J2	Swachh Bharat Cess Paid									E1 + H1
J3	Krishi Kalyan Cess Paid									F1 + I1

Part K – Arrears, Interest, Penalty, any other amount etc. Paid

S.No	Month	Apr/ Oct	May/ Nov	Jun/ Dec	July/ Jan	Aug/ Feb	Sep/ Mar	Total
K1	Arrears of Service tax paid							
K2	Amount collected as service tax and paid in terms of section 73A of Finance Act, 1994							
K3	Interest paid							
K4	Penalty paid							
K5	Amount of Late fee paid, if any.							
K6	Any other amount paid (please specify)							
K7	Total amount of service tax arrears, interest, penalty and any other amount, etc. made K7 = (K1+K2+K3+K4+K5+K6)							
K8	Arrears of Swachh Bharat Cess (SBC) paid							
K9	Amount collected as SBC and paid in terms of section 73A of Finance Act, 1994							
K10	Interest on SBC paid							
K11	Penalty on SBC paid							

K12	Total amount of SBC arrears, interest, penalty and any other amount , etc. made $K12 = (K8+K9+K10+K11)$							
K13	Arrears of Krishi Kalyan Cess (KKC) paid							
K14	Amount collected as KKC and paid in terms of section 73A of Finance Act, 1994							
K15	Interest on KKC paid							
K16	Penalty on KKC paid							
K17	Total amount of KKC arrears, interest, penalty and any other amount , etc. made $K17 = (K13+K14+K15+K16)$							
K18	Total Arrears of revenue $K18 = (K7 +K12+K17)$							

Part L – Challan details of payments made regarding Part K

1.	2.	3.	4.
S.No	Challan No	Date	Amount
1.			
2.			
3.			
.			
.			
L1	Total amount Paid		Σ

Part M – Self Assessment Memorandum

(च) I/We declare that the above particulars are in accordance with the records and books maintained by me/us and are correctly stated.

(छ) I/We have assessed and paid the service tax as per the provisions of the Finance Act, 1994 and the rules made thereunder.

(ज) I/We have paid duty within the specified time limit and in case of delay, I/We have deposited the interest leviable thereon.

(झ) I/We have filed this Return within the specified time limit and in case of delay, I/We have deposited the amount towards late filing as prescribed under rule 7C of the Service Tax Rules, 1994:

(ञ) I have been authorised as the person to file the return on behalf of the service provider.

Place:

Date:

(Name and Signature of Assesse or Authorised Signatory)".

[F. No. 354/149/2016 -TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide notification No. 2/94-SERVICE TAX, dated the 28th June, 1994 vide number G.S.R. 546(E), dated the 28th June, 1994 and last amended vide notification No. 43/2016-Service Tax, dated the 28th September, 2016 vide number G.S.R. 923(E), dated the 28th September, 2016.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2016

सं. 49/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 1058(अ),—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 68 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 30/2012- सेवा कर, दिनांक 20 जून, 2012, जिसे सा.का.नि. 472(अ), दिनांक 20 जून, 2012 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था, में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, यथा :-

1. उक्त अधिसूचना में,-

(क) पैराग्राफ I में, उपवाक्य (ख) में “कर लगने योग्य क्षेत्र में अवस्थित” शब्दों के पश्चात “गैर- निर्धारती ऑनलाइन प्राप्तकर्ता से भिन्न” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) पैराग्राफ (II) में, सारणी में, क्रम सं. 10 के समक्ष, कॉलम (2) की प्रविष्टि में “कर लगने योग्य क्षेत्र में अवस्थित” शब्दों के पश्चात “गैर- निर्धारती ऑनलाइन प्राप्तकर्ता से भिन्न” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

(ग) स्पष्टीकरण II के पश्चात, निम्नलिखित को अंतःस्थापित किया जाएगा, यथा :-

“स्पष्टीकरण III इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए गैर-निर्धारती ऑनलाइन प्राप्तकर्ता का अर्थ वही है जो सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 2 के उप-नियम 1 के उपवाक्य (गगखक) में इसके लिए दिया गया है।”

2. यह अधिसूचना 01 दिसम्बर, 2016 से लागू होगी।

[फा. सं. 354/149/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट : प्रधान अधिसूचना को अधिसूचना सं. 30/2012-सेवा कर, दिनांक 20 जून, 2012, सा.का.नि. 472(अ), दिनांक 20 जून, 2012, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था और इसमें अधिसूचना सं. 34/2016-सेवा कर, दिनांक 06 जून, 2016, सा.का.नि. 577(अ), दिनांक 06 जून, 2016, के द्वारा अंतिम बार संशोधन किया गया है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2016

No. 49/2016-Service Tax

G.S.R. 1058(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 68 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 30/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 472(E), dated the 20th June, 2012, namely:-

In the said notification,-

(a) in paragraph I, in clause (B), after the words “located in the taxable territory”, the words “other than non-assesse online recipient” shall be inserted;

(b) in paragraph (II), in the TABLE, against Sl. No. 10, in the entry under column (2), after the words “located in the taxable territory”, the words “other than non-assesse online recipient” shall be inserted;

(c) after *Explanation II*, following shall be inserted, namely:-

‘Explanation III. For the purposes of this notification, “non-assesse online recipient” has the same meaning as assigned to it in clause (ccba) of sub-rule 1 of rule 2 of Service Tax Rules, 1994.’

2. This notification shall come into force on the 1st day of December, 2016.

[F. No. 354/149/2016 -TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note:-The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 30/2012 - Service Tax, dated the 20th June, 2012, *vide* number G.S.R. 472(E), dated the 20th June, 2012 and last amended *vide* notification No. 34/2016-Service Tax, dated the 6th June, 2016 *vide* number G.S.R. 577(E), dated the 6th June, 2016.